International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत–श्रीलंका सहयोग

डॉ. प्रशान्त पंवार

वरिष्ठ व्याख्याता (राजनीति विज्ञान)

राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय,

जोधपुर (राज.)

श्रीलंका भारत के दक्षिण में स्थित एक द्वीपीय देश है। यह हिन्द महासागर में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण–पश्चिम और अरब सागर के दक्षिण–पूर्व में स्थित है। मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य श्रीलंका को भारतीय उपमहाद्वीप से पृथक करते हैं। यह भारत से मात्र 31 किमी. दूरी पर स्थित है। श्रीलंका का प्राचीन नाम सीलोन था जिसे 1962 में बदलकर लंका और 1978 से श्रीलंका रखा गया है।

श्रीलंका का लगभग 3000 वर्षों का इतिहास लिखित अभिलेखों के रूप में ज्ञात है। भारत के प्राचीन ग्रन्थ रामायण में श्रीलंका का उल्लेख मिलता है जिसमें वानर सेना द्वारा बनाये गए रामसेतु (एडम ब्रिज) की पुष्टि नासा ने अपने वैज्ञानिक अध्ययन में भी की है। यह लगभग 48 किमी. लम्बा पुल है जिसका निर्माण लाइम स्टोन चट्टानों से हुआ है और यह मन्नार की खाड़ी को पाक जलडमरूमध्य से पृथक करता है।

श्रीलंका में 29 ई.पू. में चौथी बाद्ध संगीति के समय रचित बौद्ध ग्रन्थ पाली भाषा में प्राप्त हुए हैं। मौर्य सम्राट अशोक ने अपने पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघमित्रा को धर्म प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा था। प्राचीन काल में श्रीलंका सामुद्रिक सिल्क रोड का महत्वपूर्ण हिस्सा था। आधुनिक काल में श्रीलंका आने वाली प्रथम यूरोपीय जाति पुर्तगाली थी जिन्होंने कोलम्बो, जाफना, कैण्डी और कई तटीय इलाकों में अपने दुर्ग बनाये। श्रीलंका को पुर्तगालियों से मुक्त करने के लिए वहां के राजा राजसिंघे द्वितीय (1629–1687) ने 1638 में डचों के साथ संधि की। डच सेना ने 1656 में कोलम्बो पर कब्जा कर पुर्तगाल को वहां से भगा दिया और संधि के विपरीत जाकर श्रीलंका पर अपना अधिकार जमा लिया। नेपोलियन युद्धों (1803–1815) के समय नीदरलैण्ड (डच) फ्रेंच प्रभाव में आ गया जिससे ब्रिटेन को आशंका हुई कि नीदरलैण्ड श्रीलंका को फ्रांस को सौंप सकता है, इसी कारण 1796 में ब्रिटेन ने श्रीलंका के तटीय प्रदेशों पर अपना अधिकार जमा लिया। फ्रांस–ब्रिटेन के बीच अमीन्स की संधि (1802) के द्वारा श्रीलंका के डच नियंत्रण वाला सारा भाग ब्रिटेन को सौंप दिया गया, इस प्रकार श्रीलंका ब्रिटेन का उपनिवेश बना।[1] ब्रिटिश उपनिवेशवाद क विरुद्ध 1817 में उवा विद्रोह हुआ जिसे बुरी तरह कुचल दिया गया। इसके बाद लम्बे संघर्ष के बाद आखिरकार 4 फरवरी, 1948 को सीलोन (श्रीलंका) को ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिली एवं सीलोन में ब्रिटिश डोमिनियन (अधिराज्य) स्थापित किया गया।

लगभग 24 वर्षों तक ब्रिटेन का डामिनियन रहने बाद श्रीलंका 22 मई, 1972 को गणतंत्र एवं सम्प्रभुता सम्पन्न राज्य बना।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत–श्रीलंका सहयोग –

(1) व्यापारिक–वाणिज्यिक सम्बन्ध – भारत और श्रीलंका के बीच स्वतंत्रता के बाद से ही गहरे व्यापारिक–वाणिज्यिक सम्बन्ध है। सार्क देशों में श्रीलंका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक भागीदारों में से एक है। भारत–श्रीलंका के बीच मुक्त व्यापार समझौता (थ्ज्।) 1 मार्च, 2000 को सम्पन्न हुआ तब से वर्तमान तक दोनों देशों का व्यापार चार गुना बढ़ चुका है। प्रमुख भारतीय कम्पनियों जैसे टाटा, इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन, अपोलो, एलआईसी, अम्बुजा सीमेण्ट, अशोक लिलैण्ड इत्यादि ने श्रीलंका में भारी निवेश किया है। थ्ज्। लागू होने के बाद दोनों देशों का आपसी व्यापार 27 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ रहा है।[2]

भारत से श्रीलंका को निर्यात 2014 में 3977 मिलियन डॉलर का हुआ जबकि श्रीलंका से भारत में आयात 625 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ है। रेणुका शुगर रिफाइनिंग प्लांट, टाटा हाउसिंग की कोलम्बो वन परियोजना जैसी कई योजनाएं एवं अरबों डॉलर का भारतीय निवेश श्रीलंका में हुआ है।[3]

(2) सांस्कृतिक और शैक्षणिक सम्बन्ध –

29 नवम्बर, 1977 को नई दिल्ली में भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते के अनुसार कोलम्बो स्थित भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। यह केन्द्र भारतीय, संगीत, नृत्य, हिन्दी और योग की कक्षाए संचालित करता है। 2015 में भारत के 66वें गणतंत्र दिवस समारोह के एक अंग के रूप में सुप्रसिद्ध भारतीय सितारवादक नीलाद्री कुमार द्वारा ''सेल्यूट : सेलिब्रेटिंग इण्डिया'' शीर्षक से एक समेकित संगीत समारोह का आयोजन जनवरी, 2015 में कोलम्बो में किया गया।[4]

भारत और श्रीलंका ने भगवान बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति का 2600 वाँ स्मरणोत्सव वर्ष (संबुधत्व जयंति) मनाया। इसमें अन्तर्गत अगस्त–सितम्बर, 2012 में श्रीलंका में आयोजित पावन कपिल वस्तु स्मृति चिन्हों की प्रदर्शनी भी शामिल है। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध संग्रहालय की भारतीय गैलेरी श्री डालडा मालीगण का उद्घाटन दिसम्बर, 2013 में हुआ। दोनों सरकारों ने संयुक्त रूप से 2015 में अनगरिका धर्मपाल की 150 वीं वर्षगांठ मनाई।

दोनों देशों की नौजवान पीढ़ी के बीच वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षणिक और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए भारत–श्रीलंका प्रतिष्ठान की स्थापना दिसम्बर, 1998 को की गई।[5]

भारत वर्तमान में श्रीलंकाई विद्यार्थियों को वार्षिक रूप से लगभग 290 छात्रवृतियां दे रहा है। इसके अलावा भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना और कोलम्बो योजना के तहत भारत श्रीलंका के बीच लगभग 200 योजनाएं चल रही हैं।[6]

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

(3) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मई, 2017 से 12 मई, 2017 तक दो दिवसीय श्रीलंका यात्रा पर गए। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को 'सांस्कृतिक कूटनीति' के तहत देखा जा सकता है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्त्वावधान में 14वां अन्तर्राष्ट्रीय ''वेसाक महोत्सव'' मे श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रिपाला के निमंत्रण पर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए। दरअसल भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण जैसी महत्त्वपूर्ण घटनाएं एक ही दिन अर्थात वैशाख पूर्णिमा के दिन हुए थे।[7] इसी सन्दर्भ में वेसाक महोत्सव का आयोजन सिंगापुर, मलेशिया, भारत, चीन, नेपाल, श्रीलंका, वियतनाम, जापान, थाइलैण्ड, म्यांमार, इण्डोनेशिया सहित विश्व के कई देशों में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर इस महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मादी ने कहा कि श्रीलंका के साथ भारत के सांस्कृतिक सम्बन्ध काफी प्राचीन है। घृणा की मानसिकता खराब है जो केवल विनाश के मार्ग पर ले जाती है। भारत और श्रीलंका के सांस्कृतिक सम्बन्ध और बढ़ाने हेतु प्रधानमंत्री ने वाराणसी से कोलम्बो सीधी विमान सेवा आरम्भ करने को घोषणा की। मोदी डिकोया नामक कस्बे में भी गए जहां चारों तरफ चाय के बागान हैं। यह चाय बागान वहां दशकों से रह रहे भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लोगों का रोजगार का जरिया है। डिकोया में मोदी ने एक सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल जिसकी लागत 150 करोड़ रूपये हैं श्रीलंका को समर्पित किया जो भारत की आर्थिक मदद से बनाया गया है। मोदी ने डिकोया में तमिलों के लिए 10 हजार आवास बनाने की भी घोषणा की।[8]

इससे पूर्व भी मोदी सरकार ने सांस्कृतिक कूटनीति के तहत मार्च, 2015 में नालंदा परम्परा और श्रीलंका के थेरवादी बौद्ध भिक्षुओं की परम्परा पर दिल्ली में आयोजित सम्मेलन को मंजूरी दी थी। थेरवाद बौद्ध परम्परा का वर्चस्व श्रीलंका, म्यांमार, थाइलैण्ड और लाओस में है जबकि नालंदा परम्परा का वर्चस्व भूटान और नेपाल में है। प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च, 2015 में श्रीलंका यात्रा के दौरान बौद्ध महानायकों से मुलाकात की थी।[9]

(4) रक्षा सम्बन्ध – पिछले एक दशक से भारत श्रीलंका के बीच रक्षा सम्बन्ध भी प्रगाढ़ हो रहे हैं। भारत और श्रीलंका अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद के विरूद्ध संयुक्त सैन्य अभ्यास ''मित्र शक्ति'' और नौसैनिक अभ्यास स्प्छम्म आयोजित करते हैं। रक्षा सहयोग के क्षेत्र में 9 जून, 2010 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राष्ट्रपति महिन्द्रा राजपक्षे के बीच भारत–श्रीलंका संयुक्त घोष्ज्ञणा में उल्लेख है। जिसके अनुसार दोनों देश अपने द्विपक्षीय सम्बन्धों के लिए प्रासंगिक सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा मुद्दों पर सवाद को बढ़ावा देने तथा उच्च स्तरीय सैन्य आदान–प्रदान विकसित करने और सैन्य कार्मिकों के प्रशिक्षण को सुविधाजनक बनाने के साथ–साथ पुलिस कार्मिकों के लिए भारतीय संस्थानों के अतिरिक्त प्रशिक्षण सुविधा मुहैया कराने पर सहमति व्यक्त की।[10] दोनों सरकारों के बीच वार्षिक रक्षा संवाद तंत्र की स्थापना करने पर भी सहमति बनी। 2015 की सिपरी (प्च्त्प्) रिपोर्ट के अनुसार भारत अपने कुल हथियार निर्यात व्यापार का 25 प्रतिशत हिस्सा श्रीलंका को निर्यात करता है। श्रीलंका ने भारत से 2014 में 74 मिलियन डॉलर के हथियार मंगवाये ।[11]

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

(5) विकासात्मक सहयोग – (प) श्रीलंका के गृहयुद्ध के बाद भारत ने श्रीलंका में पुनर्निर्माण के लिए पर्याप्त और उदार सहायता दी है। इस सहायता में मानवीय राहत, पुनर्वास तथा आन्तरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए 500 करोड़ रूपये की अनुदान राशि शामिल है।

(पप) जून, 2010 म श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान भारत ने गृहयुद्ध के बाद श्रीलंका में पुनर्निर्माण के लिए विकास पैकेज की घोषणा की। इस सहायता में पचास हजार आवास इमारतों का निर्माण, उत्तरी रेलवे लाईनों की बहाली, पोतावशेष हटाना, केकेएस हार्बर की बहाली, व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना, जाफना में सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना, सामपुर में 500 मेगावाट कोयला विद्युत संयंत्र की स्थापना, थिरूकेथीस्वरम मन्दिर की बहाली, उत्तरी प्रान्त में कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना एवं शैक्षणिक अनुदान शामिल है।[12]

(पपप) श्रीलंका म विस्थापितों के लिए आवास योजना 'अभिनव ओनर–ड्रिबन मॉडल' के तहत कार्यान्वित की जा रही है। इसे 2 अक्टूबर, 2012 को महात्मा गांधी के जन्मदिन पर शुरू किया गया था।[13]

(पअ) भारत और श्रीलंका अपनी समुद्री सीमा के आस–पास तेल और गैस क्षेत्रों में विद्यमान होने को सम्भावना का पता लगाने पर एक संयुक्त सूचना तंत्र स्थापित किये जाने से सम्बन्धित योजना पर कार्य कर रहे हैं। [14]

(अ) भारत और श्रीलंका ने वर्ष 2010–2013 के लिए सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम पर भी हस्ताक्षर किए हैं।[15]

(अप) दोनों देशों की आर्थिक–सामाजिक प्रगति के लिए दोनों देशों ने ''भारत–श्रीलंका ज्ञान पहल'' आरम्भ किया है।[16]

(अपप) दोनों देश इस बात पर सहमत हुए है कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुपक्षवाद को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली को प्रभावी बनाना भी शामिल है। इस सन्दर्भ में श्रीलंका ने अपना दृष्टिकोण दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भावी सुधार प्रक्रिया में परिषद में स्थायी सदस्यता के भारत के दावे का श्रीलंका समर्थन करता है।[17]

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13–14 मार्च, 2015 को श्रीलंका यात्रा पर गए। मोदी की यह यात्रा अत्यन्त महत्त्वपूर्ण थी क्योंकि 1987 के बाद से यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली श्रीलंका यात्रा थी।

(प) 13 मार्च, 2015 को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सिरिसेना ने संयुक्त वक्तव्य जारी किया। मोदी ने भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार सम्बन्धों को आगे और मजबूत करने की आशा व्यक्त की। मोदी ने कहा कि श्रीलंका में रामायण और भारत में महात्मा बुद्ध से जुड़े स्थलों के विकास में सहयोग देने के लिए भारत कटिबद्ध है। [18]

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

(पप) अपनी इस यात्रा में मोदी ने श्रीलंका की संसद को भी सम्बोधित किया। श्रीलंका की संसद को एशिया में सबसे जीवंत बताते हुए उन्होंने भारत की ओर से संसद का अभिवादन किया। अपने भाषण में मोदी ने कहा ''बुद्ध का रास्ता वही है जो युद्ध से मुक्ति दिलाता है।''[19]

(पपप) श्रीलंका के पर्यटकों को वीजा ऑन एराइवल की भी घोषणा की।

(पअ) जाफना में सांस्कृतिक केन्द्र की नींव रखी।

निष्कर्ष – भारत के लिए श्रीलंका रणनीतिक रूप से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। श्रीलंका यूरोप से लेकर पूर्वी एशिया तक सभी प्रमुख समुद्री संचार मार्गों और बड़े तेल आयातक एवं निर्यातक देशों के मध्य स्थित है जो इसे भू–सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण बना देता है। भारत के श्रीलंका के साथ किसी भी प्रकार के मतभेद पूरे दक्षिण एशिया के राजनीतिक–सामरिक संतुलन को खतरा पैदा कर सकता है। इसी कारण भारत ने हिन्द महासागर में श्रीलंका को विशेष स्थिति प्रदान की है। दोनों देश सार्क और बिमस्टेक जैसे क्षेत्रीय सगठनों के माध्यम से भी आपसी सम्बन्ध और अधिक मजबूत कर सकते हैं।

सन्दर्भ

1. सवुमियामूर्ति थोंडामन श्रीलंका के विख्यात राजनीतिज्ञ रहे जो जीवन भर तमिल–श्रीलंका वार्ता में प्रतिनिधि रहे, उनकी याद में बने थोंडामन फाउण्डेशन की वेबसाइट से श्रीलंका का इतिहास से उद्धरित। जीवदकवउपदण्वतह
2. हिन्दुस्तान, 15 मार्च, 2009
3. विदेश मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाइट, जनवरी 2015
4. वही उपरोक्त
5. वही उपरोक्त
6. वही उपरोक्त
7. पबीवूाण्पद 14 मई, 2017
8. वही उपरोक्त
9. वही उपरोक्त
10. विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट– 9 जून, 2010
11. प्व्त्प् ल्मंत ठववाए 2016
12. सन्दर्भ 10 देखें।
13. वही सन्दर्भ 10 देखें
14. वही सन्दर्भ 10 देखें

15. वही सन्दर्भ 10 देखें
16. वही सन्दर्भ 10 देखें
17. वही सन्दर्भ 10 देखें
18. Inarendramodi.in, 14 मार्च, 2015
19. वही उपरोक्त

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 8 Issue 6, June- 2018
ISSN(o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)